Second National workshop on

“Innovative Lab Practices Through Green Chemistry”

An institute of Paramedical Science CSJM University, Kanpur have received Rs 15000 from the Royal society of Chemistry North India section for organizing this workshop

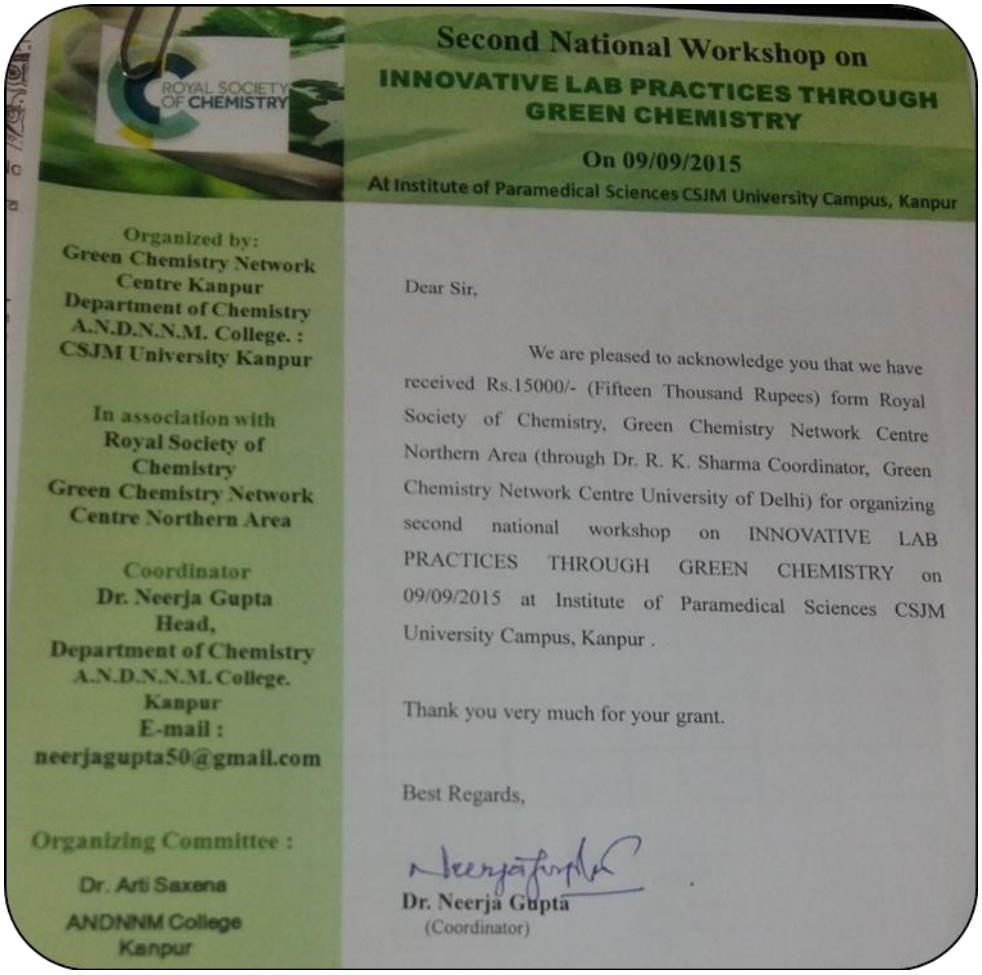

Second National Workshop on
INNOVATIVE LAB PRACTICES THROUGH GREEN CHEMISTRY
On 09/09/2015
At Institute of Paramedical Sciences CSJM University Campus, Kanpur

Organized by:
Green Chemistry Network Centre Kanpur
Department of Chemistry
A.N.D.N.N.M. College. :
CSJM University Kanpur

In association with
Royal Society of Chemistry
Green Chemistry Network Centre Northern Area

Coordinator
Dr. Neerja Gupta
Head,
Department of Chemistry
A.N.D.N.N.M. College.
Kanpur
E-mail :
neerjagupta50@gmail.com

Organizing Committee :
Dr. Arti Saxena
ANDNNM College
Kanpur

Dear Sir,

We are pleased to acknowledge you that we have received Rs.15000/- (Fifteen Thousand Rupees) form Royal Society of Chemistry, Green Chemistry Network Centre Northern Area (through Dr. R. K. Sharma Coordinator, Green Chemistry Network Centre University of Delhi) for organizing second national workshop on INNOVATIVE LAB PRACTICES THROUGH GREEN CHEMISTRY on 09/09/2015 at Institute of Paramedical Sciences CSJM University Campus, Kanpur .

Thank you very much for your grant.

Best Regards,

Dr. Neerja Gupta
(Coordinator)

ग्रीन केमिस्ट्री पर कार्यशाला

आचार्य नरेंद्र देव नगर निगम महिला महाविद्यालय के रसायन विभाग ने बुधवार को इनोवेटिव लेब प्रेक्टिसेस थ्रू ग्रीन केमिस्ट्री विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। विश्वविद्यालय के पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट में आयोजित कार्यशाला के मुख्य वक्ता दिल्ली विश्वविद्यालय ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क सेंटर के कॉर्डिनेटर प्रो. आरके शर्मा ने कहा कि आजकल के औद्योगिक वातावरण में जहां चारों ओर अपशिष्ट पदार्थों की मात्रा बढ़ रही है। वहीं ग्रीन केमिस्ट्री के उपयोग से रसायनिक क्रियाओं से बनने वाले हानिकारक पदार्थों की मात्रा को कम करके प्रदूषण मुक्त वातावरण प्रदान किया जा सकता है। कार्यशाला कालेज की प्राचार्य डा. नूतन वोहरा के अलावा डीएवी डिग्री कालेज के डा. अमर श्रीवास्तव व क्राइस्ट चर्च डिग्री कालेज के डा. आनंदिता भट्टाचार्या समेत कई अन्य लोग मौजूद थे।

जैविक विघटन से दूर कर सकते प्रदूषण: प्रो. शर्मा

कानपुर | हिन्दुस्तान संवाद

कार्यशाला

- एएनडी कॉलेज में ग्रीन केमिस्ट्री पर हुई कार्यशाला
- वक्ताओं ने समाज को प्रदूषण मुक्त बनाने पर किया मंथन

छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पैरामेडिकल कॉलेज में बुधवार को एएनडी कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग ने 'इनोवेटिव लैब प्रैक्टिस थ्रो ग्रीन केमिस्ट्री' विषय पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। ग्रीन केमिस्ट्री सेंटर की ओर से आयोजित कार्यशाला में वक्ताओं ने वातावरण को प्रदूषण मुक्त बनाने पर विचार व्यक्त किए।

दिल्ली विश्वविद्यालय में ग्रीन केमिस्ट्री नेटवर्क के कोऑर्डिनेटर प्रो. आरके शर्मा ने कहा कि अपशिष्ट पदार्थों को दूर कर प्रदूषण मुक्त वातावरण दे सकते हैं। डीएवी कॉलिज के डॉ. अमर श्रीवास्तव ने कहा कि जिस प्रकार हरे पेड़ कार्बनडाई आक्साइड और पानी का उपयोग कर जीवन उपयोगी खाद्य पदार्थ ग्लूकोज और श्वसन के लिए आक्सीजन का निर्माण करते हैं। उसी प्रकार प्रयोगशाला एवं औद्योगिक इकाइयों में प्राकृतिक रूप से उपलब्ध पदार्थों का उपयोग करके पर्यावरण का संरक्षण करना चाहिए।

जैविक विघटन के द्वारा प्लास्टिक व अन्य अपशिष्ट उत्पादों को विघटित व रिसाइकिल कर सकते हैं। क्राइस्ट चर्च कॉलिज की डॉ. आनंदिता भट्टाचार्या ने कहा कि वातावरण को हानि पहुंचाने वाले रसायनों के प्रयोग पर प्रतिबंध लगाने के लिए कड़े नियम व कानून बनाने चाहिए। इस मौके पर बीएनडी के प्राचार्य विवेक द्विवेदी, एएनडी की प्राचार्या डॉ. नूतन वोहरा आदि मौजूद रहे।